



सिकंदर महान

(Alexander the Great)

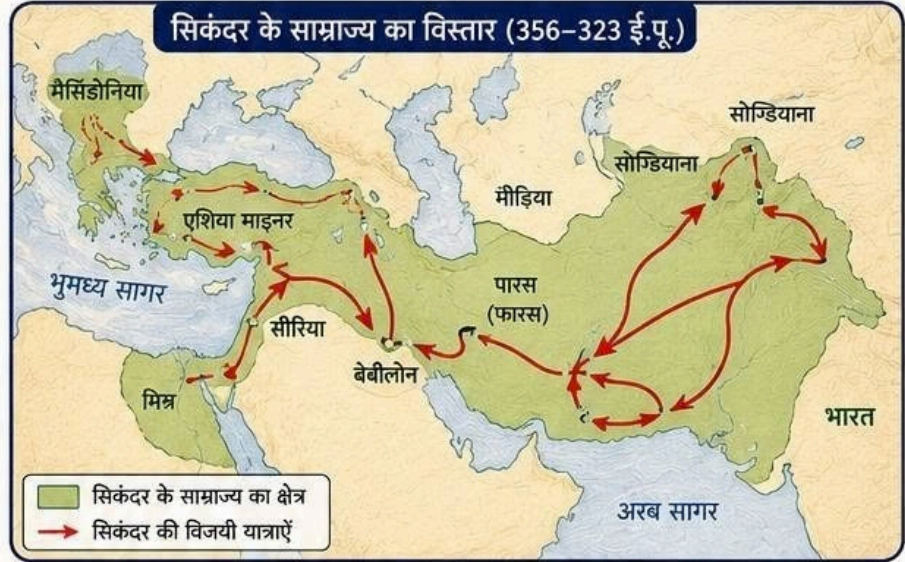


www.championsbooks.shop

परिचय : सिकंदर महान (356-323 ई.पू.) मैसिडोनिया (यूनान) का राजा था। उसने कम आयु में ही विश्वविजय का संकल्प लिया और एशिया की विशाल साम्राज्यों को पराजित कर एक विशाल साम्राज्य की स्थापना की। वह एक महान सेनानायक, संगठक और दूरदर्शी शासक था।

मुख्य विशेषताएँ

- ★ सिकंदर एक महान सेनापति और कुशल रणनीतिकार था।
- ★ उसने कम समय में विशाल क्षेत्रों पर विजय प्राप्त की।
- ★ वह अपने सैनिकों से प्रेम करता था और उनके साथ समान व्यवहार करता था।
- ★ उसने जहाँ-जहाँ विजय प्राप्त की, वहाँ यूनानी संस्कृति का प्रसार किया।
- ★ उसने "यूनानी विश्व" की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया।
- ★ सिर्फ 33 वर्ष की आयु (323 ई.पू.) में उसकी मृत्यु हो गई।



प्रमुख युद्ध



- ग्रेनेक्स का युद्ध (334 ई.पू.) - फारस पर प्रथम विजय
- इससुस का युद्ध (333 ई.पू.) - दारा तृतीय को पराजित किया
- गौगामेला का युद्ध (331 ई.पू.) - फारसी साम्राज्य का अंत
- हाइडेस्पस का युद्ध (326 ई.पू.) - राजा पोरस को हराया

विजय यात्रा का क्रम

मैसिडोनिया से प्रस्थान (334 ई.पू.) → एशिया माइनर → सीरिया → मित्र → पारस (फारस) → बैबीलोन → बैक्ट्रिया → सोग्डियाना → भारत तक (झेलम नदी) → वापस बैबीलोन

प्रमुख उपलब्धियाँ

- ✓ विशाल साम्राज्य की स्थापना (यूनान से भारत तक)।
- ✓ कई शहरों की स्थापना → अलेक्जेंड्रिया (मित्र), बैक्ट्रिया आदि।
- ✓ यूनानी भाषा, कला और संस्कृति का प्रसार।
- ✓ व्यापार और संपर्क के नए मार्ग खुले।

सिकंदर की प्रमुख नीतियाँ

स्थानीय लोगों का सम्मान



सिकंदर ने विजित क्षेत्रों के लोगों का सम्मान किया और उन्हें अपने प्रशासन में स्थान दिया।

मित्र में अलेक्जेंड्रिया की स्थापना



उसने मित्र में "अलेक्जेंड्रिया" शहर बसाया, जो ज्ञान और संस्कृति का महान केंद्र बना।

यूनानी संस्कृति का प्रसार



उसने यूनानी भाषा, कला, विज्ञान और शिक्षा का विभिन्न देशों में प्रसार किया।

मित्र और फारसी परंपराओं को अपनाया



सिकंदर ने मित्र की परंपराओं को अपनाया और फारसी रीति-रिवाजों का भी सम्मान किया।

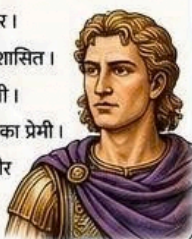
मजबूत प्रशासन व्यवस्था



उसने विभिन्न क्षेत्रों में प्रशासन नियुक्त कर सुचारु प्रशासन व्यवस्था स्थापित की।

सिकंदर का व्यक्तित्व

- बहादुर, साहसी और निडर।
- कठोर परिश्रमी और अनुशासित।
- दूरदर्शी और महत्वाकांक्षी।
- विद्या, दर्शन और विज्ञान का प्रेमी।
- सैनिकों का प्रेरणास्रोत और उनका सच्चा नेता।



सिकंदर की मृत्यु

323 ई.पू. में बैबीलोन में अचानक बीमार पड़ने के कारण केवल 33 वर्ष की आयु में उसका निधन हो गया।

उसकी कोई संतान नहीं थी, इसलिए उसका साम्राज्य उसके सेनापतियों में बंट गया।



ऐतिहासिक महत्व

- सिकंदर महान ने प्राचीन विश्व को एक सूत्र में बांधने का प्रयास किया।
- उसकी विजय यात्राओं से पूर्व और पश्चिम के बीच संपर्क बढ़ा।
- उसने 'यूनानी प्रभाव' (Hellenistic Culture) की नींव रखी।
- वह इतिहास के महानतम विजेताओं में से एक माना जाता है।



नोट : सिकंदर महान की विजय यात्राओं ने यूनानी संस्कृति, भाषा और विचारों को एशिया और अफ्रीका में फैलाया, जिससे विश्व इतिहास में एक नए युग - हेलैनिस्टिक युग की शुरुआत हुई।

